अनुक्रम

Sr. No.	Title of Article	Author Name	Page No.
1	21वीं सदीं की हिंदी कविताओं में किसानों का चित्रण	डॉ. पटेकर विश्वनाथ चंद्रकांत	1-4
2	'आजकल' पत्रिका में प्रकाशित गज़लों में चित्रित किसान विमर्श	प्रो. डॉ. सुनील बापू बनसोडे श्रीमती मलिका शाकुर पकाली	5-7
3	लोक साहित्य की प्रांसगिकता	प्रा. डॉ. उत्तम ओंकार येवले	8-10
4	ग़ज़ल में सामाजिक परिदृश्य : राहत इंदौरी के परिप्रेक्ष्य में	डॉ. किरण सदानंद भोसले	11-12
5	इक्कीसवीं सदी के उपन्यासों में चित्रित आदिवासी लोकगीतों का अध्ययन	प्रा. रविदास एस पाडवी	13-15
6	लोकगीतों में जीवन-मूल्य : साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में	डॉ. प्रवीण तुलशीराम तुपे	16-19
7	हिंदी गज़लों में मानवीय मूल्य	डॉ. संतोष बबनराव माने	20-21
8	दुष्यंत कुमार की गजलों में प्रासंगिकता	प्रा. जेलीत आनंदराव कांबळे	22-24
9	हिंदी फिल्मों में गीत और ग़ज़ल का सांस्कृतिक, कथात्मक और भावनात्मक महत्व: 1950-1980 के 'स्वर्ण युग' का गहन विश्लेषण	डॉ. रशिद नजरूददीन तहसिलदार	25-28
10	साहित्य, सिनेमा और मीडिया : अंतर्संबंध	श्री. निलेश वसंतराव जाधव	29-31
11	आयदान आत्मकथा : एक सांस्कृतिक परिदृश्य	डॉ. प्राजक्ता अंकुश रेणुसे	32-34
12	हिंदी साहित्य में ग़ज़ल परंपरा और दुष्यंतकुमार का योगदान	पूनम कुमार बरगाले	35-36
13	बैकुंठपुर में बचपन संस्मरण में गीत	प्रदीप निवृत्ति बेनके	37-39
14	सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी गजल की दिशा	डॉ. हाशमबेग मिर्झा	40-42
15	समकालीन हिंदी ग़ज़लों में चेतना के विविध आयाम	डॉ. एन. बी. एकिले	43-45
16	हिंदी गजल साहित्य में डॉ आरिफ महात का योगदान	मनशेट्टी लक्ष्मी किसनराव	46-47
17	हिंदी फिल्मी गीतकार एवं ग़ज़लकार	सागर जिवराज थोरात	48-50
18	हिंदी ग़ज़ल की अवधारणा एवं विकास	सुमेध जालिंदर इंगले	51-52
19	डॉ. जेबा रशीद के 'रिश्ते क्या कहलाते हैं' कहानी संग्रह में चित्रित महिलाओं की मनोदशा	प्रो. (डॉ) हाशमबेग मिर्झा, प्रा. रहिसा या. मिर्झा	53-57
20	दुष्यन्त कुमार के ग़ज़लों में यर्थाथ बोध	काजी नसरीन खमरोद्दीन	58-60